Dabang Dunia (Indore), 3rd October 2020, DD2, Page-2

नई भाषाएं सीखने के लिए निरंतर प्रयास करें

आईआईटी ने कोर्स, स्टॉल्स से लेकर प्रदर्शनी का किया आयोजन, शास्त्रीय वैज्ञानिक ग्रंथों को संस्कृत में समझाने का कोर्स भी हुआ

दबंग रिपोर्टर ■ इंदौर

महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पर शुक्रवार को आईआईटी इंदौर में विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। इसमें शास्त्रीय वैज्ञानिक ग्रंथों का अध्ययन करने के लिए संस्कृत में समझाने का अनूठा कोर्स, ग्रामीणों के लिए कैंपस में स्टॉल्स, प्रदर्शनी, पौधारोपण, दो नई इमारतों का उद्घाटन और वेबिनार का आयोजन शामिल था।

मूल रूप में शास्त्रीय वैज्ञानिक ग्रंथों का अध्ययन करने और संस्कृत में उनके बारे में समझाने के लिए शुरू हुए अनोखे कोर्स का समापन किया गया। पाठ्यक्रम ऑनलाइन मोड में पूरा हुआ। प्रो. दीपक बी. फाटक अध्यक्ष बीओजी आईआईटी इंदौर, प्रो. नीलेशकुमार जैन कार्यवाहक निदेशक आईआईटी इंदौर, प्रो. हिमांशु राय निदेशक आईआईएम इंदौर, श्रेयश डोपुजारी अखिल भारतीय महासचिव, संस्कृत भारती, सेवानिवृत्त कर्नल बीएन श्रीकृष्ण, बी. वेंकट

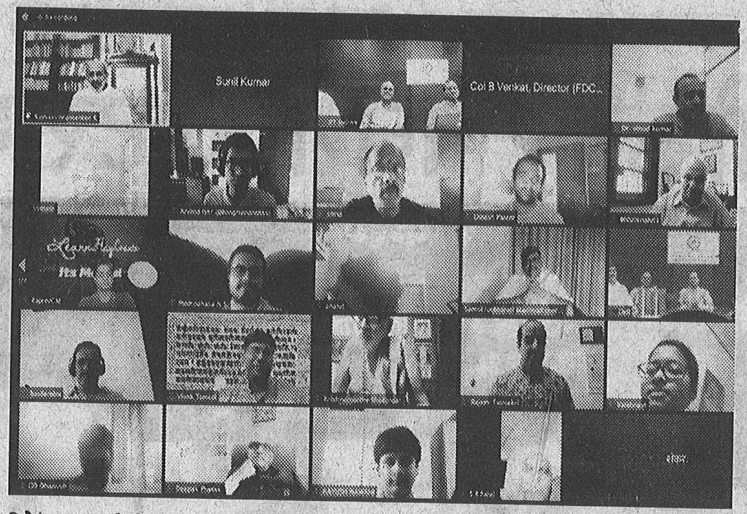

निदेशक एफडीसी एआईसीटीई ने कार्यक्रम में भाग लिया।

वैज्ञानिक तकनीकी साहित्य का अध्ययन

22 अगस्त से 2 अक्टूबर तक के पाठ्यक्रम को दो भागों में विभाजित किया गया था। पाठ्यक्रम के पहले भाग का मुख्य लक्ष्य प्रतिभागियों को कौशल और आत्मविश्वास विकसित करने में सक्षम बनाना था। पाठ्यक्रम के दूसरे भाग का उद्देश्य प्रतिभागियों को संस्कृत में तकनीकी विषयों पर चर्चा करने में सक्षम बनाना था। प्रो. फाटक ने कहा कि इस तरह के पाठ्यक्रमों में वैज्ञानिक और तकनीकी साहित्य का अध्ययन करना चाहिए। हमें नई भाषाएं सीखने के लिए निरंतर अभ्यास और प्रयास करना चाहिए। प्रो. जैन ने कहा कि आईआईटी इंदौर प्राचीन भारतीय भाषाओं का केंद्र होने की व्यवहार्यता का पता लगाने के लिए आगे काम करेगा। हम संस्कृत में तकनीकी क्षेत्र में काम करना जारी रखेंगे।

आदिवासियों ने लगाए स्टॉल्स

भारत सरकार के ग्रामीण विकास केंद्र कार्यक्रम के अनुसार स्थानीय विकास के लिए एक आउटरिच कार्यक्रम के भाग के रूप में आईआईटी ने तक्षशिला व्याख्यान कक्ष परिसर में विशेष आत्मनिर्भर स्टॉल लगाए। सिमरोल-चोरल क्षेत्र के स्थानीय आदिवासी ग्रामीणों, कस्तूरबा गांधी राष्ट्रीय स्मारक ट्रस्ट और खादी व ग्रामोद्योग द्वारा जैविक व हस्तनिर्मित उत्पादों के प्रदर्शन-बिक्री के लिए इन स्टॉलों का उपयोग किया गया था। संस्थान के लर्निंग रिसोर्स सेंटर में महात्मा गांधी के जीवन और शिक्षा पर पुस्तकों का एक विशेष प्रदर्शन भी आयोजित किया गया।

कर्मचारियों को सम्मानित किया

प्रो. नीलेशकुमार जैन, कार्यपालक निदेशक ने परिसर में पौधारोपण किया। उन्होंने वर्तमान संदर्भ में महात्मा गांधी व लाल बहादुर शास्त्री के जीवन और शिक्षाओं की प्रासंगिकता पर सभा को संबोधित किया। दो नई इमारतों का उद्घाटन किया गया। जिन कर्मचारियों ने हिंदी में अपना आधिकारिक काम पूरा किया था उन्हें भी सम्मानित किया गया। महात्मा गांधी की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में वेबिनार भी आयोजित किया गया। प्रो. सुमति रामास्वामी, प्रोफेसर ऑफ हिस्ट्री, ड्यूक यूनिवर्सिटी, यूएस मुख्य वक्ता थे। उन्होंने 'आधुनिक भारत में बच्चे की कला में गांधी' पर बात की। प्रो. लक्ष्मी सुब्रह्मण्यम, सेंटर फॉर स्टडीज इन सोशल साइंसेस, कोलकाता ने सिंगिंग गांधीज इंडिया : अनकॉन्डिंग गांधी एंड म्यूजिक इन इंडिया पर बात की।